एक नजर में

स्कूलों में सायबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

आलीराजपुर। भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अंतर्गत द्वारा माह अक्टूबर 2025 को राष्ट्रीय सायबर सुरक्षा जागरूकता माह के रूप में मनाया जा रहा है। इस अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक रघुवंश सिंह के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रदीप पटेल के मार्गदर्शन में जिले के विभिन्न शासकीय एवं निजी विद्यालयों में विद्यार्थियों को सायबर अपराधों से बचाव हेतु जागरूक किया जा रहा है। जो साइबर अपराध की रोकथाम के लिए 31 अक्टूबर तक लगातार चलाया जाएगा। सायबर सेल टीम , महिला थाना प्रभारी मनोरमा सिसोदिया पीजी कॉलेज ,ग्राम वडी में तथा थाना प्रभारी चांदपुर ,दिलीप चंदेल के द्वारा स्कूल में विद्यार्थियों को ऑनलाइन ठगी, बैंकिंग फ्रॉड, सोशल मीडिया सुरक्षा, फिशिंग कॉल, ओटीपी शेयरिंग, और व्यक्तिगत डेटा सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

29 वीं किश्त की राशि लाड़ली बहनों के खाते में अंतरित की

आलीराजपुर । मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव एवं मध्यप्रदेश शासन द्वारा प्रदेश की लाडली बहना योजना के तहत प्रदेश की बहनों को सिंगल क्लिक के माध्यम से 29 वीं किस्त की राशि अंतरित की गई । यह कार्यक्रम श्योपुर जिले में महिला सम्मेलन से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सीधा प्रसारित हुआ। इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण कलेक्टर कार्यालय के ऑडिटोरियम हॉल में देखा एवं सुना गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से मुख्यमंत्री डॉ यादव ने इस माह दिवाली एवं भाई दूज का अवसर होने पर जिले की 1 लाख 23 हजार से अधिक लाडली बहनों के खातों में 1500 रुपए की राशि एक सिंगल क्लिक के माध्यम से प्रेषित की। इस दौरान कलेक्टर श्रीमती नीतू माथुर , जिला पंचायत मुख्य कार्यपाल अधिकारी श्री प्रखर सिंह ,महिला बाल विकास के अधिकारी गण एवं जिले के सभी ब्लॉक से लाडली बहना उपस्थित थी।

लंपी वायरस के प्रकोप से बचाने के लिए गौ-सेवा का किया कार्य

झाबुआ। झाबुआ यूथ एवं गौ-सेना संरक्षण समिति ने 11 अक्टूबर, शनिवार रात अनूठी पहल की। जिसमें शहर की सड़कों पर विचरण करने वाली गौ-माताओं को जिले में तेजी से फैल रहे लंपी वायरस के प्रकोप से बचाने के लिए पशु चिकित्सालय की मद्द से स्वास्थ्य परीक्षण एवं टीकाकरण अभियान चलाया। करीब 50 गौ-माताओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर उनमें लंपी वायरस से रोकथाम के लिए टीके लगाए गए। जानकारी देते हुए झाबुआ युथ के संचालक एवं गौ-सेना संरक्षण समिति जिलाध्यक्ष विनय वर्मा ने बताया कि दोनो संस्थाओं के करीब 30 युवाओं ने मिलकर शहर की सड़कों पर विचरण करने वाली गौ-माताओं को चिन्हीत किया। बाद वरिष्ठ पशु चिकित्सक डॉ. रमेश भूरिया ने इन गौ-माताओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर लंपी वायरस से बचाव हेतु पशुओं को टीके लगाए। करीब 3 घंटे यह अभियान चलाकर 50 गौ-माताओं को रोकथाम के दृष्टिगत लंपी वायरस से बचाव के टीके लगाए गए। इस संबंध में वरिष्ठ पशु चिकित्सक डॉ. रमेश भूरिया ने बताया कि पहली बार बड़े पैमाने इस तरह अभियान चलाकर 3 घंटे की मशक्कत के बाद 50 गौ-माताओं का टीकाकरण अभियान संपन्न हो पाया है।

मेघनगर मे संयुक्त दल की कार्रवाई, कुल 13 नमूने जाँच के लिए गए

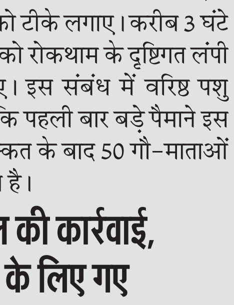

झाबुआ। दीपावली त्यौहार को दृष्टिगत रखते हुए खाद्य सुरक्षा प्रशासन एवं नापतोल विभाग द्वारा संयुक्त रूप से जिले के विभिन्न स्थान पर औचक निरीक्षण कर लगातार कार्यवाही की जा रही है। झाबुआ कलेक्टर नेहा मीना के निर्देशन में एडीएम चंदरसिंह सोलंकी द्वारा आगामी दीपावली त्यौहार को दृष्टिगत रखते हुए जिले के किराना दुकानों एवं मिठाई विक्रेताओं के द्वारा बेची जाने वाली खाद्य सामग्री की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए खाद्य सुरक्षा प्रशासन एवं नापतोल विभाग का संयुक्त दल गठित किया गया है। जिसमें खाद्य सुरक्षा अधिकारी एवं नापतोल निरीक्षक द्वारा 11 अक्टूबर 2025 को मेघनगर के विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर त्योहारों में उपयोग आने वाली खाद्य सामग्री जैसे पोहा, तूर दाल, सेव, सोन पपडी, मसाला, दाल, नमक, टोस्ट, अचार आदि खाद्य पदार्थों के कुल 13 नमूने जाँच के लिए गए है।

नव भारत

झाबुआ में अखबार, विज्ञापन व समाचार हेतु संपर्क करें:

बाली न्यूज एजेंसी

(लक्की शर्मा झाबुआ जिला ब्यूरो)

मो. न.- 6260765562, 7470402906

कार्यालय -राजवाडा (झाबुआ)

आयुष्मान भारत योजना : सुधार की राह पर जन-स्वास्थ्य का सबसे बड़ा कवच

फर्जीवाड़े के खुलासे के बाद सरकार सख्त ; पारदर्शिता और जवाबदेही से 'आयुष्मान भारत' को मिलेगी नई ऊर्जा

विक्रम सेन

आलीराजपुर. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 23 सितंबर 2018 को रांची (झारखंड) से शुभारंभ की गई 'आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएम-जेएवाय) आज भी देश की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना मानी जाती है.

इस योजना के तहत लगभग 12 करोड़ परिवारों (50 करोड़ से अधिक नागरिकों) को प्रति वर्ष ?5 लाख तक का कैशलेस उपचार कवच प्रदान किया जा रहा है. अब तक 30 करोड़ से अधिक लोगों ने इसका लाभ उठाया है.

उद्देश्य महान, पर निगरानी में चुनौतियाँ-स्वास्थ्य विभाग से जुड़े सूत्रों के अनुसार हाल के वर्षों में कुछ राज्यों में फर्जी क्लेम और गलत बिलिंग जैसे मामले सामने आए हैं, जिन पर सरकार ने कठोर कार्रवाई शुरू कर दी है.

केंद्रीय एजेंसियों की रिपोर्टों में सामने आए तथ्यों के आधार पर - 1,100 से अधिक अस्पतालों पर कार्रवाई, 122 करोड़ रुपए तक के जुर्माने,और सैकड़ों अस्पतालों का निलंबन किया गया है.

सरकार ने स्पष्ट किया है कि 'जो भी संस्था गरीबों की योजना में गड़बड़ी करेगी, उस पर कार्रवाई तय है।'

प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना
आयुष्मान भारत
PM-JAY
Ayushman Bharat Yojana

मध्य प्रदेश में भी सख्त रुख

मध्य प्रदेश में भी फर्जी मरीजों के नाम पर क्लेम और गलत बिलिंग के मामलों की जाँच जारी है. भोपाल, ग्वालियर और सीहोर के कई अस्पतालों की मान्यता रद्द की गई है. राज्य स्वास्थ्य विभाग ने ब्लैकलिस्टिंग और एफआईआर की प्रक्रिया शुरू की है. केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने राज्य में विशेष ऑडिट और भौतिक सत्यापन टीम तैनात की है ताकि भविष्य में किसी प्रकार का दुरुपयोग न हो.

सरकार की प्राथमिकता, ईमानदार पारदर्शिता

राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) का कहना है कि योजना को भ्रष्टाचार-मुक्त और डिजिटल पारदर्शी बनाने के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं; क्लेम मॉनिटरिंग सिस्टम को ऑनलाइन और पब्लिक व्यू में लाने की तैयारी. डिजिटल वेरिफिकेशन से फर्जी कार्ड रोकने की दिशा में काम. प्रत्येक मरीज को उपचार रिपोर्ट और बिल की अनिवार्यता. रेट लिस्ट और पैकेज प्रदर्शन की व्यवस्था सभी अस्पतालों में लागू. जन-जागरूकता अभियान को पंचायतों और स्कूलों तक पहुँचाने की रूपरेखा तैयार.

> **जन-हित में सशक्त योजना**
>
> 'आयुष्मान भारत योजना' भारत की सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था का एक मज़बूत स्तंभ है. यह न केवल गरीब परिवारों के लिए आशा का कवच है, बल्कि देश के स्वास्थ्य ढाँचे को नई दिशा देने का भी माध्यम है. यदि निगरानी और पारदर्शिता को प्राथमिकता दी जाए, तो यह योजना 'जनकल्याण का सशक्त आधारस्तंभ' सिद्ध होगी. जब व्यवस्था से भ्रष्टाचार का धुआँ हटेगा, तभी 'आयुष्मान भारत' सचमुच आमजन का 'जीवन कवच' बनेगा.

लोटस इंटरनेशनल स्कूल की कराते प्रतियोगिता में स्वर्णिम उपलब्धि

नागदा । लोटस इंटरनेशनल स्कूल के होनहार विद्यार्थी हरिओम सुरेंद्र सिंह चौहान एवं राहुल अमित विश्वास ने हाल ही में ग्वालियर में आयोजित राज्य स्तरीय कराटे प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अर्जित किया है। यह हमारे विद्यालय ही नहीं, बल्कि पूरे धार जिले के लिए गर्व का विषय है कि अब हमारे दोनों प्रतिभाशाली विद्यार्थी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई हो गए हैं। अब ये दोनों खिलाड़ी मध्य प्रदेश राज्य का प्रतिनिधित्व करते हुए राष्ट्रीय मंच पर अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से विद्यालय, जिले और प्रदेश का नाम रोशन करेंगे। विद्यालय परिवार, प्रबंधक श्री जितेन्द्र सिंह राजावत,राजेंद्र माहेश्वरी, देवराज प्रजापत, आनंद प्रजापत, प्राचार्य एवं समस्त शिक्षकगण ने दोनों विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दी। विद्यालय के प्राचार्य राजेंद्र पटेल ने बताया की इस वर्ष हमारा विद्यालय धार जिले का प्रथम ऐसा विद्यालय बना है जिसने जिला एवं राज्य कराते प्रतियोगिता मे कुल पंद्रह स्वर्ण पदक अर्जित किये है।

कलयुग में जीवन को यदि सफल बनाना है तो हनुमानजी की शरण लेना आवश्यक : श्री नीलकंठ महाराज

- तीन दिवसीय श्री हनुमान चरित्र कथा आयोजन की तैयारी एवं व्यवस्था देखने श्री सालंगपुर धाम के संत नीलकंठ महाराज झाबुआ पधारे
- श्री संकट मोचन सेवा समिति हनुमान टेकरी एवं श्री कष्टभंजनदेव भक्त मंडल ने किया गरिमामय अभिनंदन

झाबुआ। आगामी 27 से 29 अक्टूबर तक झाबुआ के अंबा रिसोर्ट पर तीन दिवसीय जिला स्तरीय श्री हनुमान चरित्र कथा का आयोजन प्रतिदिन रात 8 से 11 बजे तक श्री संकट मोचन सेवा समिति हनुमान टेकरी एवं श्री कष्टभंजनदेव भक्त मंडल द्वारा भव्य स्तर पर किया जाएगा। कथा की व्यापक तैयारियां एवं भव्य प्रचार-प्रसार आयोजन समिति द्वारा किया जा रहा है। यह कथा श्री सालंगपुर धाम (गुजरात) के सुप्रसिद्ध संत डॉ. हरिप्रकाशदास स्वामीजी के मुखारविंद से होगी। इसी क्रम में श्री हनुमान चरित्र कथा की तैयारियां एवं व्यवस्था देखने श्री सालंगपुर धाम गुजरात से संत श्री नीलकंठ महाराज 11 अक्टूबर, शनिवार रात करीब 8 बजे झाबुआ पहुंचे। जिनकी श्री संकट मोचन सेवा समिति हनुमान टेकरी एवं श्री कष्टभंजनदेव भक्त मंडल द्वारा आगवानी करते हुए गरिमामय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। श्री नीलकंठ महाराज ने कथा स्थल अंबा रिसोर्ट का निरीक्षण कर यहां की समस्त व्यवस्थाएं देखी। कथा आयोजन को लेकर श्री संकट मोचन सेवा समिति एवं श्री कष्टभंजनदेव भक्त मंडल द्वारा की जा रहीं तैयारियां और व्यवस्थाओं पर प्रसन्नता व्यक्त की। संतश्री ने समिति के सदस्यों से आयोजन संबंधी विस्तृत चर्चा की। रात्रि विश्राम अंबा रिसोर्ट पर किया। 12 अक्टूबर, रविवार दोपहर का भोजन श्री संकट मोचन सेवा समिति के पूर्व अध्यक्ष अरूण भावसार के निवास पर पहुंचकर ग्रहण किया।

संकट मोचन हनुमानजी के दर्शन किए : इसके बाद दोपहर 1 बजे श्री संकट मोचन हनुमान टेकरी पहुंचकर यहां श्री संकट मोचन हनुमानजी के दर्शन किए। बाद संक्षिप्त वार्ता को संबोधित किया। इससे पूर्व श्री संकट मोचन सेवा समिति की ओर से अध्यक्ष राकेश झरबड़े, वरिष्ठ सदस्य गजेन्द्रसिंह चंद्रावत, मुकेश नीमा, तरूण बैरागी, पुष्पेन्द्र नीमा, सज्जनसिंह सिसौदिया, श्यामसुंदर शर्मा, दिनेश चौहान, पं. मोहित पुरोहित, श्री कष्टभंजनदेव भक्त मंडल से पियूष पटेल, शुभम राठौर आदि ने नीलकंठ महाराज का पुष्पगुच्छ भेंटकर अभिनंदन किया।

जीवन में सकलता की कुंजी है श्री कष्टभंजनदेव : संक्षिप्त वार्ता में श्री नीलकंठ महाराज ने कहा कि जीवन में यदि सफल बनना है और जीवन को सद्मार्ग की ओर ले जाना है, तो हनुमानजी की शरण लेना आवश्यक है। कलयुग में हनुमानजी ऐसे देवता है, तो साक्षात धरती पर विराजमान है। उनका नाम जाप से एवं नित्य श्री हनुमान चालीसा, सुंदरकांड, बजरंग बाण पाठ करने से हमे हनुमानजी जैसी शक्ति और बल की प्राप्ति होती है। आप बल और बुद्धि के देवता है तथा जीवन में समस्त प्रकार के संकट और कष्टों को हरने वाले देव है। संतश्री ने झाबुआ में तीन दिवसीय श्री हनुमान चरित्र कथा के बारे में बताया कि इस कथा के माध्यम से श्री हनुमानजी के चरित्र का वर्णन प्रख्यात संत डॉ. हरिप्रकाशदास स्वामीजी के मुखारविन्द से होगा। हनुमानजी के जन्म से लेकर चिरंजीवी होने का वर्णन किया जाएगा।

शक्तिशाली जनहित कार्यक्रम आयोजित

धार। पुरानी पेंशन बहाली राष्ट्रीय आंदोलन संयुक्त मोर्चा एवं नवीन प्राचार्य उच्च माध्यमिक शिक्षक संघ जिला शाखा धार की अगुवाई में दिनांक 14 अक्टूबर 2025 को शाम 5ः00 बजे एक शक्तिशाली जनहित कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। सभी विभागों — अधिकारी, कर्मचारी, शिक्षक — बड़े पैमाने पर कलेक्टर कार्यालय, टीन सेट धरना स्थल से सभी अधिकारी कर्मचारी शिक्षक साथी रैली के रूप में कलेक्टर कार्यालय में पहुंच कर जिला कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन *माननीय मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश* को ज्ञापन सौंपेंगे। यह ज्ञापन नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता बहाली, एवं मध्यप्रदेश में ई अटेडेंस प्रणाली के अचानक और अनियंत्रित क्रियान्वयन के विरो स्वरूप प्रस्तुत किया जाएगा।

श्रद्धालय वृद्धाश्रम का औचक निरीक्षण

धार । मध्यप्रदेश शासन जैविक मित्र खेती सलाहकार, जल शिक्षा स्वास्थ्य व पोषण मिशन तथा अटल बिहारी सुशासन संस्थान के पूर्व सलाहकार तथा एनजीओ पाठशाला के संस्थापक डॉ परशुराम तिवारी ने श्रद्धालय वृद्धाश्रम धार का आज औचक निरीक्षण किया। आश्रम की प्राकृतिक खेती गौशाला का अवलोकन किया। आश्रम की सेवा व्यवस्था सुप्रबन्धन पर प्रसन्नता व्यक्त की। भोज शोध संस्थान के निदेशक डॉ दीपेंद्र शर्मा ने टीम को अवलोकन करवाया व जानकारी दी। वृद्धजनों से मुलाकात साथ बैठक भोजन प्रसाद गृहण किया। टीम में अंकित राजपूत हाटपिपल्या, धर्मकुमार नरवरिया आष्टा, वीरभद्र कुमार कालापीपल व संजय कुमार इंदौर शामिल थे। डॉ तिवारी ने संचालन संस्था के नवाचारों की सराहना की। कहा कि औषधी उद्यान, फल उद्यान व प्राकृतिक खेती में वृद्धजनों का सहयोग उल्लेखनीय है। धार में जैविक खेती के अच्छे अवसर है। किसानों को आगे आकर अपनी ओर भी पहल करनी होगी। जैविक उत्पादों की मांग बढ़ती जा रही है। वृद्धजनों की ओर से डॉ तिवारी का शाल मोतीमाला से स्काउट गाइड के प्रभारी पूर्व शिक्षक चंद्रशेखर जाधव, श्रीमती भगवती बुंदेला व सत्यनारायण वैष्णव द्वारा सम्मान किया गया। इस अवसर पर आश्रम प्रबन्धन की ओर से श्रीमती रानी पवार, विद्या गुंजाल व शंकुन्तला सिसोदिया साथ रहे। यह जानकारी मीडिया प्रभारी राकी मक्कड़ ने दी।

एक नजर — हाथीपावा की पहाड़ियों को खोदकर महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बनाया जा रहा होस्टल

नेशनल ग्रीन ट्रीब्यूनल के नियमों की हो रहीं अनदेखी, रात के अंधेरे में चल रहा काम

झाबुआ। शहर से सटे हाथीपावा की पहाड़ी पर बाड़कुआं से लगे क्षेत्र में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा पिछले एक महीने से पहाड़ियों को खोदकर छात्रावास का निर्माण कार्य करवाया जा रहा है। रात के अंधेरे में जेसीबी मशीन, क्रेन आदि से पहाड़ियों की खुदाई कर डंपर, ट्रेक्टर आदि से वेस्ट मटेरियल को अन्यत्र स्थानों पर फिंकवाया जा रहा है। नेशनल ग्रीन ट्रीब्यूनल के नियमानुसार पहाड़ियों की खुदाई करना अनुचित है, लेकिन जिले का प्रशासन ही इसका खुलेआम उल्लंघन कर रहा है।

यह कार्य महिला एवं बाल विकास विभाग से स्वीकृत होकर निर्माण एजेंसी हाऊसिंग बोर्ड समिति है। समिति द्वारा विगत करीब एक माह से हाथीपावा की पहाड़ियों को लगातार खोदकर समतलीकरण का कार्य करवाया जा रहा है। यहां कामकाजी महिलाओं के लिए वर्किंग होस्टल का निर्माण होना है। नेशनल ग्रीन ट्रीब्यूनल के नियम है कि पहाड़ी क्षेत्र को खोदा नहीं जा सकता है। पहाड़ी क्षेत्र को खोदने से पूर्व विधिवत् इसकी अनुमति ली जाना आवश्यक है। पहाड़ियों को लगातार खोदकर बंजर करने के साथ हाथीपावा के सौंदर्यीकरण को भी खत्म किया जा रहा है।

रात के अंधेरे में चल रहा कार्य

निर्माण एजेंसी हाऊसिंग बोर्ड द्वारा यह कार्य प्रतिदिन रात के अंधेरे में किया जा रहा है। जिसमें जेसीबी मशीन, क्रेन आदि से पहाड़ियों को खोदकर डंपरों और ट्रेक्टरों से वेस्ट मटेरियल को अन्यत्र स्थान पर फिंकवाया जा रहा है। सरकार के नियमों का जो प्रशासन पालन करवाता है, उसके द्वारा ही नियमों का उल्लंघन करते हुए पहाड़ियों की खुदाई कर बंजर करने के साथ सौंदर्यीकरण को नष्ट करने के प्रयास किए जा रहे है।

आधे से अधिक खुद चुका हाथीपावा- उल्लेखीय है कि प्रशासकीय रूप से एवं निजी तौर पर भी रसूखदारों द्वारा हाथीपावा की पहाड़ी को लगातार खोदकर अपने आवास बनाने का कार्य पिछले लंबे समय से चल रहा है। जिससे हाथीपावा की पहाड़ी और उसका सौंदर्यीकरण धीरे-धीरे खत्म होता जा रहा है। यदि ऐसा ही चलता रहा, तो हाथीपावा का अस्तित्व जल्द ही समाप्त होने के साथ यह आवासीय क्षेत्र बनने के साथ इसका उपयोग निजी कार्यों में होने लगेगा। इससे पूर्व जिम्मेदार अधिकारियों को ध्यान देकर कार्रवाई किए जाने की आवश्यकता है।

> **जवाबदारों का कहना**
>
> इस संबंध में जानकारी के लिए जिला महिला एवं बाल विकास विभाग अधिकारी आरएस बघेल से मोबाईल पर संपर्क करने पर उन्होंने मोबाईल रिसीव नहीं किया।
>
> - आपके द्वारा मुझे इस मामले से अवगत करवाया है, जांच करवाई जाएगी।
>
> **सुनिलकुमार डावर, नायब तहसीलदार, झाबुआ।**